tuna, felicitas. Su. 2. 10. Bh. 10. 34. 3) pulchritudo, gratia, venustas. In. 4. 7. N. 3. 11. 4) reverentiae causâ nominibus personarum vel rerum venerandarum anteponitur, e. c. श्रीगणेश *quasi* sanctus Ganêsus vel summe venerandus *Ganêsus*, श्रीमहाभारत summe venerandum Mahâ-Bhâratum.

श्रीकण्ठ *m.* (*Bah.* e श्री et कण्ठ collum) cognomen *Sivi*. Hit. 33. 7.

श्रीमत् (a praec. s. मत्) felix, fortunatus.

श्रील (a श्री felicitas s. ल) felix. Am.

1. श्रु *5. P. interdum A.* शृणोमि (gr. min. 342.) *Praet. mltf.* अश्रौषम्. 1) audire, auribus percipere. Mah. 3. 13489.: शृणु राजन् ... इदम् आख्यानम्; Br. 2. 3.: आर्तिजम् महाशब्दम् ... कुन्ती शुश्राव; Mah. 3. 3084.: अश्रौषीत् सव्यसाचिनं वर्तमानन् तपस्य् उग्रे; 1. 2285.: न हि तृप्यामि पूर्वेषां शृण्वानश् चरित्रम् महत्; 3. 13490.: तच् छृणुष्व महीपते. *Pass.* Mah. 4. 1788.: दिवम् आवृत्य शब्दस् तु निवृत्तः शुश्रुवे पुनः. 2) auscultare, obedire. Bh. 18. 58.: अथचेत् त्वम् ... न श्रोष्यसि विनङ्क्ष्यसि. *C. gen.* Mah. 3. 10327.: साचा 'स्य न शृणोति वै. — *Caus.* श्रावयामि facere ut quis audiat, dicere: फाल्गुनस्य वचः श्रुत्वा ... गन्धर्ववचनं सर्वं श्रावयामास. *Pass. c. nom. pers. et acc. rei.* Mah. 3. 2.: श्राविताः परुषा वाचः ... किम् अकुर्वत कौरव्याः; R. Schl. I. 17. 18.: श्राविता वनवासञ्च भर्त्री सा. — *Desid. A.* शुश्रूषे 1) audire velle. Mah. 3. 13248.: राजन्यमहाभागयम् इदानीं शुश्रूषामहे. 2) auscultare, obedire. In. 5. 34.: अहं समनुज्ञाता तेन पित्रा ... तवा 'न्तिकम् अनुप्राप्ता शुश्रूषितुम्. *C. acc. pers.* Man. 5. 155.: पतिं शुश्रूषेत; Mah. 3. 13722.: गुरू वृद्धौ शुश्रूषे ऽहम्. *Pass.* Man. 10. 100.: यैः शुश्रूष्यन्ते द्विजातयः. (Gr. κλύω; κλυ-τός = श्रुत, v. praef. वि; lat. *clu-tus, inclu-tus, cluo, aus-cul-to*; goth. *hliu-ma*, Them. *hliu-man*, auris, *cum debiliore gunae formâ*, v. gramm. comp. 27. et 109[b]), p. 124.; germ. vet. *hlû-t* sonorus = श्रुत, productâ vocali (nostrum *laut*), *hlûti* f. sonus, unde *hlûtian* sonare, *hliu-munt* fama, opinio (nostrum *Leumund*), *hlio-dar* sonitus; hib. *cluinim* «I hear», *cluas* «ear» v. श्रवस्. Cum *Desid.* शुश्रूष् conferantur: lith. *klausu* audio, russ. *slus'aju* ausculto, germ. vet. *hlosên, hlosôn, hlosian, losên* cet. audire; sax. vet. *hlus-t* auditus, auris; anglo-sax. *hlys-ton* audire, angl. *lis-ten*, hib. *clos* «hearing, report», *cloisim, cluisim* «I hear». Huc etiam trahi posset goth. *hausja* audio, ita ut mutilatum sit e *hlausja*; germ. vet. *hôriu*, angl. *hear*, mutato *s* in *r*. Ad *Caus.* श्रावयामि pertinent lat. *clâmo*, mutato *v* in *m*, v. gr. comp. 109[a]). 6. et 109[b]). p. 124.; lith. *szlowiju* laudo, celebro, v. praef. वि; fortasse *klabu* loquor e *klawu*; russ. *slav-i-tj* celebrare, *slovo* verbum, sermo; slav. vet. *slovû* appellor, *slava* gloria; gr. κλαίω, κλαύσω, nisi pertinet ad क्रन्द् plorare, abjecto *d*, mutato *n* in υ, sicut e. c. in 3. pers. pl. τύπτουσι e τύπτοντι, mutato τ in σ; καλέω per metath. e κλα(ϝ)έω, κλείω e κλεϝίω; sax. vet. *hlamôn* sonare, strepere, de fluctibus; germ. vet. *hlamôn* crepitare, cum *m* pro *v* sicut in lat. *clamo*; *scriu* clamo, praet. *screi*, pl. *scrir-u-mês* e *scriw-u-mes* (?), sicut *birumês* sumus = भवामस्, v. gr. comp. 20.)

c. अनु *i. q. simpl.* Bh. 1. 44. Man. 9. 100.: अनुशुश्रुम.

c. आ *Caus.* narrare. Mah. 3. 15260.

c. उप *i. q. simpl.* Mah. 2. 1244. Auscultare. R. Schl. II. 3. 3. 1.

c. परि *id.* Mah. 1. 3754.

c. प्रति polliceri, *c. gen. pers.* N. 4. 16.: प्रतिश्रुत्य देवतानाम्.

c. वि *Pass.* 1) audiri. R. Schl. I. 13. 13.: व्यश्रूयतच शब्दो ऽयम्. 2) celebrari. Hit. 5. 11.: वरम् एकः (पुत्रः) कुलालम्बी यत्र विश्रूयते पिता. — विश्रुत inclutus. In. 2. 12. — *Caus.* विश्रावयामि sonare, resonare facio. Mah. 3. 16556.: अन्तरिक्षे वाग् आसीत् सर्वा विश्रावयन् दिशः. Clamare, exclamare, pronuntiare. Mah. 1. 6287.: नाम विश्राव्य. Narrare. Mah. 3. 12266.: कर्म विश्रावयामास यथाभूतम्.

c. सम् 1) audire. N. 11. 26.: आक्रन्दमानां संश्रुत्य.